नाम : _____ अनुक्रमांक : _____

B/3,000

अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा, 2026-27
संस्कृत कक्षा—11

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

$5 \times 2 = 10$

तस्मात् सरसः नातिदूरवर्तिनि तपोवने जाबालिः नाम महातपाः मुनिः प्रतिवसति स्म ।ततन्यसच हारीतनामा तदेव कमल्सरः सिस्नाशुपागमत् मां तदवस्थम् आलोक्य समुत्जातदयः समीपम् उपसत्य, सरस्तीरम् आनीय स्वयं माम् उत्तानितमुखम् अंगुल्या कतिचित् सलिलबिन्दून्, आपाययत्।अम्भः छेदकृतसेकम् समुत्जातनवीनप्राणम् माम् उपतटरुद्रस्य नलिनीपलाश जलशिशिराया छायायाम निधाय, समुचित अकरोत् स्नानविधिम्।अभिषेक अवसाने च भगवते सवित्रे दत्त्वाध्र्यम् आगृहीत धौतधवलवल्कलश्च मां गृहीत्वा तपोवनाभिमुखम् अगच्छत्।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः ?

(ii) हारीतः कः आसीत् ?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) तपोवने कः महातपाः मुनिः प्रतिवसति स्म ?

(v) 'आनीय' में कौन-सा प्रत्यय है ?

अथवा

अस्ति सकलभुवनप्रख्यात कीर्तिः महामुनिः दिव्यलोक निवासी श्वेतकेतुः नाम ।तस्य च भगवतः सकललोकहृदयानन्दकरम् अतिशायित नलकूबरम् रूपम् आसीत् । तस्यायम् आत्मजः पुण्डरीको नाम । सोऽयम् अद्य 'चतुर्दशीः इति भगवन्तम् अम्बिकापतिम् कैलासगतम् उपसितुम् नन्दनवन समपेन गच्छन्–वनदेवतया समपर्तिम् इमाम् पारिजातकुसुममञ्जरीम् कर्णपुरी- कृतवान् इति ।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः ?

(ii) दिव्यलोकः निवासी मुनिः कः आसीत् ?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) पुण्डरीकः कस्य आत्मजः आसीत् ?

(v) भगवान् अम्बिकापतिः कः ?

2. निम्नलिखित पात्रों में से किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए— 4

(i) जाबालिः (ii) शूद्रक (iii) चन्द्रापीडः

3. 'बाणभट्ट' की गद्य-शैली की विवेचना हिन्दी अथवा संस्कृत में कीजिए। 4

4. दिए गए निम्न विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए—

(क) 'अहो कल्याण परम्परा' इति वाक्यस्य वक्ता कोऽपि ? 1

(i) शुकनासः (iii) तारापीडः

(ii) जाबालिः (iv) श्वेतकेतुः

(ख) जाबाल्याश्रमे शुकशिशुः केन आनीतः ? 1

(i) पुण्डरीकेन (iii) हारीतेन

(ii) चन्द्रापीडेन (iv) तारापीडेन

UPBoardHub

5. अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिंदी में व्याख्या कीजिए— $2 + 5 = 7$

(क) लताप्रतानोद्ग्रथितैः स कैशरैधिय्यधन्वा विच्चार दावम्। रक्षाऽपदेशान्मुनिहो दिुष्ट सत्त्वान्।

(ख) प्रदक्षिणीकृत्य पयस्विनीं तां, सुदक्षिणा साक्षात्पात्रहस्ताः। प्रणम्य चानर्च विशालमस्याः, श्रृङ्गान्तरं द्वारमिवार्थसिद्धेः।

6. अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए— $2 + 5 = 7$

(क) निर्वत्य राजा दयितां दयालुस्तां सौरभयीम् सुरभिर्यशोभिः। पयोधरीभूतचतुः समुद्राम् जुगोप गोरुपधरामि??र्वीम्।

(ख) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन, प्रत्यागृता पार्थिवधर्मपत्न्या। तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिनक्षपामध्यगतेव सन्ध्या।

7. महाकवि 'कालिदास' की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए। 4

8. निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए—

(क) धेनुः पार्थिव धर्मपत्न्या प्रत्यागृता— 1

(i) वने (ii) दिनान्ते (iii) आश्रमे (iv) वर्त्मनि

(ख) दिलीपेस्य वंशः आसीत् ? 1

(i) चन्द्रवंशः (ii) देववंशः (iii) सूर्यवंशः (iv) किन्नरवंशः

9. अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक अंश की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए— $2 + 5 = 7$

(क) शिष्यः—वेलोपलक्षणार्थमादिष्टोऽस्मि तत्रभवता प्रवासात् प्रतिनिवृत्तेन कण्वेन। तत् प्रकाशं निर्गत्यावलोक्यामि कियदवशिष्टं रजन्य इति (परिक्रम्यावलोक्य च) हन्त । प्रभाता रजनी।

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुक्तष्ठया, कण्ठः स्तब्धवित् वाष्पवृत्तिकलुपश्चिन्तार्ज डदर्शनम्। वैक्क्लव्यं मम तावदीदृशमपि स्नेहादरण्यौकसः, पीडचन्ते गृहिनः ; कथं नुतनयाविश्लेषदुःखै नवैः।

10. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिंदी में व्याख्या कीजिए— $2 + 5 = 7$

(i) ना तादृशा आकृति विशेषा गुण विरोधिनो भवन्ति।

(ii) रक्षितव्या खलु प्रकृतिपेल्वा प्रियसखी।

(iii) कोऽन्यो हुतवहदाग्दग्धुं प्रभवति।

11. 'काव्येषु नाटकम् रम्यम्'—इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए। 4

12. दिए गए निम्न विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए—

(क) शकुन्तलायाः सह हस्तिनापुरं का गता ? 1

(i) प्रियंवदा (iii) काश्यपः

(ii) गौतमी (iv) अनसूया

(ख) शकुन्तला केन स्वाधीनोपाया भविष्यति ? 1

(i) अङ्गुलीयक्रेन (iii) आषीवदिन

(ii) शापेन (iv) माङ्गल्यभरणेन

13. छात्रवृत्ति हेतु प्रधानाचार्य को एक संस्कृत में प्रार्थना-पत्र लिखिए। 6

अथवा

आकस्मिक अवकाश के लिए संस्कृत में प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

14. 'अनुप्रास' अथवा 'यमक' अलंकार की परिभाषा हिंदी अथवा संस्कृत में लिखकर उदाहरण संस्कृत में लिखिए। $2 + 2 = 4$

15. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 8

(i) सड़क के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(ii) मीरा ने कृष्ण का भजन किया।

(iii) वे सब कल कहाँ जाएंगे ?

(iv) तुम कब घर जाओगे ?

(v) वृक्ष से फल गिरते हैं।

(vi) तुम घर जाओ।

16. (क) निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक पद में नियम निर्देशपूर्वक विभक्ति का उल्लेख कीजिए— 2

(i) ग्रामम् परितः वृक्षाः सन्ति।

(ii) सः पादेन खञ्जः।

(iii) अहम् विद्यालयम् गच्छामि।

(ख) 'शिशुः कन्दुक्रेन क्रीडति' इस वाक्य में रेखांकित पद में विभक्ति है— 2

(i) द्वितीया (ii) तृतीया (iii) पंचमी (iv) षष्ठी

17. (क) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद में समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए— 2

(i) महापुरुषः (ii) पाणिपादम् (iii) वाणीविनायकौ

(ख) 'नीलकमलम्' में समास है— 2

(i) तत्पुरुष (ii) कर्मधारय (iii) द्वंद्व (iv) बहुव्रीहि

18. (क) अधोलिखित में से किसी एक पद में सन्धि-विच्छेद कर सन्धि का नाम लिखिए— 2

(i) महोदयः (ii) नयनम् (iii) पोषिति

(ख) 'तीर्थोदकम्' का सन्धि-विच्छेद है— 2

(i) तीर्थ + उदकम् (iii) तीर्थ + ओदकम्

(ii) तीर्थों + दकम् (iv) तीर्थो + उदकम्

19. (क) 'धेनुः' शब्द के चतुर्थी विभक्ति एकवचन का रूप लिखिए। 2
(ख) 'रमा' शब्द के द्वितीया एकवचन का रूप है— 2

(i) रमाम् (ii) रमया (iii) रमायै (iv) रमायाः

20. (क) 'पृच्छ' धातु का लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप लिखिए। 2
(ख) 'अपठत्' किस लकार, पुरुष का वचन का रूप है— 2

(i) लट्लकार प्रथम पुरुष एकवचन

(ii) लङ्कार प्रथम पुरुष एकवचन

(iii) लङ्कार उत्तम पुरुष एकवचन

(iv) विधिलिङ्लकार उत्तम पुरुष एकवचन

21. (क) 'दृश्' धातु में 'शतृ' प्रत्यय लगाने पर रूप होगा— 2

(i) दृश्त्वा (iii) पश्यन्

(ii) दृशन् (iv) पश्यत्

(ख) 'पठित्वा' पद में प्रत्यय है— 2

(i) पठ् + क्त्वा (iii) पठ् + ल्यप्

(ii) पठ् + तुमुन् (iv) पठ् + शानच्